केन्द्रीय विद्यालय बारामूला

स्वरांजलि (Swaranjali)

ई-पत्रिका (E-Magazine)

२०२१-२०२२

सम्पादकीय समिति

मुख्य संरक्षक

डॉ. डी. मंजू नाथ

उपायुक्त

केन्द्रीय विद्यालय संगठन ,जम्मू संभाग

संरक्षक

श्री गोविंद सिंह मेहता

सहायक आयुक्त

केन्द्रीय विद्यालय संगठन , जम्मू **संभाग**

मार्गदर्शक एवं प्रेरणा

श्री बलेंद्र कुमार

प्राचार्य

केन्द्रीय विद्यालय बारामूला

सलाहकार

पी.वी.रामन्ना**(स्नातकोत्तर** शिक्षक- रसायन विज्ञान **)**

मुख्य संपादक

श्री मनीष मिश्र (स्नातकोत्तर शिक्षक -हिंदी)

सह-संपादक

श्री राजेन्द्र कुमार **(स्नातकोत्तर** शिक्षक- **अंग्रेजी)**

श्री सूरज राम (पुस्तकालयाध्यक्ष **)**

श्री सोलोमन राज **(प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक-अंग्रेजी)**

श्री मुन्ना चौहान **(प्राथमिक** शिक्षक **)**

चित्र अनुभाग

श्री अतुल श्रीवास्तव **(प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक-कला शिक्षा)**

ई -पत्रिका की समग्र प्रस्तुति एवं रूपरेखा

श्री अमित कुमार चौरसिया**(स्नातकोत्तर शिक्षक-गणित)**

रमीज़ मुश्ताक़ **(स्नातकोत्तर शिक्षक-कम्प्यूटर विज्ञान)**

हिमांशी सचदेवा **(प्राथमिक शिक्षिका)**

संदेश

मेरे लिए यह अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि इस संभाग के अधीनस्थ केंद्रीय विद्यालयों द्वारा अपनी राजभाषा ई-पत्रिका सत्र 2021-22 का प्रकाशन किया जा रहा है।

समग्र संभावनाओं से समन्वित बाल कलाकारों एवं सुधी शिक्षकों के भाव एवं विचारों का प्रतिबिंब स्वरूप विद्यालय की वार्षिक राजभाषा ई- पत्रिका आपके समक्ष प्रस्तुत है।

किसी भी विद्यालय की राजभाषा ई- पत्रिका उस विद्यालय का दर्पण होती है उसी से विद्यालय की सांस्कृतिक, शैक्षणिक, खेलकूद एवं अनेक रचनात्मक गतिविधियों के साथ-साथ साहित्यिक अभिरुचि का भी पता चलता है। विद्यालय पत्रिका इस बात का प्रमाण है कि शिक्षार्थियों के समुचित, सकारात्मक ,सर्वांगीण एवं सृजनात्मक विकास हेतु विद्यालय परिवार प्रतिबद्ध है। पत्रिका प्रकाशन पर मैं उन सभी अभिभावकों, शिक्षार्थियों , शिक्षक-शिक्षिकाओं तथा विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य जिन्होंने राजभाषा ई- पत्रिका हेतु अपनी रचनाएं एवं कलाकृतियां प्रकाशनार्थ देकर प्रोत्साहित किया पत्रिका के संपादक तथा संपादक मंडल को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं। इस राजभाषा ई- पत्रिका के प्रकाशन से छात्रों में निहित सृजनात्मक प्रतिभा उभर कर सामने आ सकेगी तथा इन्हीं बाल कलाकारों में से भविष्य में कुछ अच्छे चित्रकार, पत्रकार ,लेखक एवं कवि के रूप में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने में सफल होंगे।

इस वर्ष बोर्ड की परीक्षाओं में उपस्थिति देने जा रहे छात्र-छात्राओं को परस्थितियों के विपरीत अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने का स्वर्णिम अवसर है। साथ ही, मेरी यह शुभकामना है कि केंद्रीय विद्यालय संगठन अपना महत्त्वपूर्ण उद्देश्य पूरा करते हुए, निरंतर प्रगति-पथ पर बढ़ता रहे और पत्रिका के सफल प्रकाशन की शुभ कामनाओं सहित विद्यार्थीयों, अध्यापकों व प्राचार्य के अथक प्रयास हेतु बधाई देते हुए उनके सफल और उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ।

एक बार पुनः समस्त विद्यालय परिवार को राजभाषा ई- पत्रिका के प्रकाशन 2021-22 पर बधाई एवं शुभकामनाएं।

(डॉ. डी. मंजुनाथ)
उपायुक्त
केंद्रीय विद्यालय संगठन, जम्मू संभाग

अधीनस्थ केन्द्रीय विद्यालय,
जम्मू संभाग।

सन्देश

यह अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि इस संभाग के केंद्रीय विद्यालयों द्वारा अपनी राजभाषा ई- पत्रिका सत्र 2021-22 का प्रकाशन किया जा रहा है | किसी भी विद्यालय की ई- पत्रिका उस विद्यालय का दर्पण होती है उसी से विद्यालय की सांस्कृतिक और शैक्षिक गतिविधियों के साथ-साथ साहित्यिक में रुचि का भी पता चलता है |

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी नई शिक्षा नीति के सफलतापूर्वक कार्यान्वयन के लिए निपुण भारत योजना आरंभ की गई है | मैं यह आशा करता हूँ कि भारत सरकार की निपुण भारत योजना क्रियान्वयन में मेरा विद्यालयी परिवार मेरा सहयोग कर उच्चतम प्रदर्शन करेंगे और संभाग को शीर्ष स्तर पर ले जायेंगे |

पत्रिका के प्रकाशन पर मैं उन सभी अभिभावकों, छात्रों एवं शिक्षकों को बधाई देता हूँ, जिन्होंने इस करोना जैसी महामारी के बीच अपना महत्वपूर्ण योगदान देकर विद्यालय की राजभाषा ई- पत्रिका का प्रकाशन करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है | पत्रिका के संपादक तथा संपूर्ण संपादक मंडल को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूँ | इस राजभाषा की पत्रिका के प्रकाशन से छात्रों में निहित ही सृजनात्मक प्रतिभा उभर कर सामने आएगी साथ में विद्यार्थियों में भविष्य में आगे चलकर एक अच्छा लेखक, कवि तथा पत्रकार बनने की प्रतिभा भी विकसित होगी। यह मेरा पूरा विश्वास है कि विद्यालय की यह राजभाषा ई-पत्रिका विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में मील का पत्थर साबित होगी |

शुभकामनाओं सहित !

6/12/21

(गोविन्द सिंह मेहता)
सहायक आयुक्त
केंद्रीय विद्यालय संगठन, जम्मू संभाग

अधीनस्थ केन्द्रीय विद्यालय,
जम्मू संभाग |

चेयरमैन संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि केंद्रीय विद्यालय बारामूला अपनी वार्षिक ई-पत्रिका "स्वरांजलि"प्रकाशित करने जा रहा है,प्रस्तुत ई-पत्रिका प्रत्येक वर्ष विद्यालय की प्रगति को परिभाषित करती है और विद्यालय गतिविधियों को दर्शाते हुए स्मरणीय बनाती है

आशान्वित हूं कि वर्तमान सत्र में विद्यालय अपनी पूर्वोपलब्धियों में उत्तरोत्तर वृद्धि करेगा।मेरा विचार है कि शैक्षणिक कुशलता मात्र पुस्तकीय ज्ञान द्वारा प्राप्त नहीं होती,अपितु विद्यार्थियों के सम्पूर्ण व्यक्तित्व का विकास करके ही उन्हें कुशल बना सकते हैं जिससे वो वैश्विक भविष्य हेतु तैयार हो सकें।

मैं विद्यालय परिवार,सम्पादकीय समिति एवम् प्राचार्य को धन्यवाद देते हुए ई-पत्रिका के प्रकाशन हेतु हृदय से अग्रिम शुभकामनाएं देता हूँ,मेरा विश्वास है कि प्रस्तुत ई-पत्रिका हमारे लिए विगत वर्ष की भांति ही ज्ञानवर्धक एवं रुचिकर होगी,तथा विद्यार्थियों की सृजनात्मक प्रतिभा में वृद्धि करते हुए इस वर्ष की उपलब्धियों का स्मरण करायेगी।

अंत में मैं विद्यालय परिवार को इस पुनीत कार्य हेतु शुभकामनाएं एवं बधाई देता हूं।।

जय विद्या

जय हिन्द,

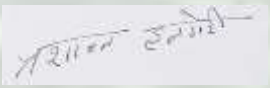

हस्ताक्षर

ब्रिगेडियर डिप्टी जीओसी

प्राचार्य- सन्देश

प्रिय विद्यार्थियों !

विगत वर्ष की भाँति इस वर्ष भी विद्यालय अपनी ई -पत्रिका **'स्वरांजलि'** प्रकाशित करने जा रहा है। इसके लिए मैं संपादकीय समिति के अथक प्रयास को साधुवाद देता हूँ तथा विद्यार्थियों को अपनी कृतियों को प्रकाशित करवाने के लिए आवाहन करता हूँ। वस्तुत: केंद्रीय विद्यालय की नींव वसुधैव कुटुम्बकम् मंत्र के आधार पर हुई है, जिसमें समस्त विचार धाराओं का संतुलित समागम है अत: विद्यालय की ई-पत्रिका, राष्ट्रीय शिक्षानीति तथा बाल केंद्रित व्यवस्था के अंतर्गत विद्यार्थियों की कल्पनाशील मौलिक ऊर्जा को सृजनात्मक क्षमता तथा आत्मबोध को मुखरित करने हेतु लेखन रुपी मंच प्रदान करती है जिसमें उनकी अर्जित भावनाओं, भाषायी दक्षता व साहित्यिक एवं सृजनात्मक अभिव्यक्तियों तथा स्वाभाविक मेधा का सम्यक विकास किया जा सके।

विगत वर्ष से ही कोरोना जैसी महामारी ने समस्त गतिविधियों के संचालन में गतिरोध उत्पन्न किया, अद्यावधि कर रही है तथापि ऊर्जा से ओत-प्रोत विद्यालय परिवार इस दुष्कर चुनौती से डटकर लक्ष्य प्राप्ति की ओर अग्रसर है एक पंक्ति यहाँ समसामयिक एवं युक्तियुक्त है-

"इस पथ का उद्देश्य नहीं है श्रांत भवन में टिक रहना।
किंतु पहुंचना उस सीमा तक जिसके आगे राह नहीं है।।"

विद्यालय की ई-पत्रिका की प्राण प्रतिष्ठा में अपने अनमोल संदेश एवं शुभाशीष द्वारा हमारा मार्गदर्शन करने के लिए समस्त अधिकारियों विशेषत: हमारे उपायुक्त महोदय एवं सहायक आयुक्त महोदय (जम्मू संभाग) के प्रति विद्यालय परिवार हृदय से आभार व्यक्त करता है।

विद्यार्थियों की नैसर्गिक प्रतिभा एवं शिक्षकों तथा अभिभावकों के सहयोग एवं संबल हेतु हृदय से धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ, आशान्वित हूँ कि शैक्षिणक सांस्कृतिक एवं समसामयिक परिवेश को नवीन लक्ष्य,नव्यायाम तथा नवीन मार्ग पर अग्रसर करने में हमारे नैतिक मूल्य अत्यंत सहायक सिद्ध होंगे।

मैं अपने संपादकीय समिति को विशेषरूप से शुभकामनाएं देता हूँ जिनके भगीरथ प्रयास से इस महामारी में भी ई-पत्रिका का प्रकाशन पुनः संभव हो सका।

-धन्यवाद।

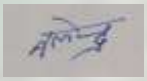

श्री बलेंद्र कुमार
प्राचार्य
केन्द्रीय विद्यालय बारामूला

Editorial Board

राजेन्द्र कुमार (पीजीटी अंग्रेजी)
मनीष मिश्र(पीजीटी हिंदी)
अमित कुमार चौरसिया (पीजीटी गणित)
रमीज़ मुस्ताक(पीजीटी सीएस)
जीतराम(टीजीटी सामाजिक अध्ययन)
सूरज राम (पुस्तकालयाध्यक्ष)
हिमांशी सचदेवा (पीआरटी)
मुन्ना सिंह चौहान(पीआरटी)

मुख्य संपादक की कलम से

प्रिय विद्यार्थियों! अत्यन्त हर्ष का विषय है कि विगत वर्ष की भान्ति इस वर्ष भी विद्यालय की ई पत्रिका **'स्वरांजलि'** 2021-22 का प्रकाशन होने जा रहा है इसके लिए आप सब बधाई के पात्र हैं आप सबके सामूहिक प्रयास ने इस मंच को एक बृहद आयाम दिया है यह मेरा सौभाग्य है कि पूर्व की तरह ही इस बार भी मुख्य संपादन का प्रभार माननीय प्राचार्य महोदय एवं संपादकीय समिति ने मुझे सौंपा है, मेरा पूर्ण प्रयास होगा कि मैं अपना सौ प्रतिशत देने में सफल हो सकूँ।

महान वैज्ञानिक थॉमस एडिसन ने कहा है-

"हमारी सबसे बड़ी कमजोरी हार मान लेना है सफल होने का सबसे निश्चित तरीका है हमेशा एक बार और प्रयास करना।"

प्यारे बच्चों! इस वाक्य का जीवन में अनुसरण करिए,मेरा विश्वास है कि संसार में आप दुष्करतम कार्य भी करने में अवश्य सफल होंगे। आप सबकी रचनाओं का अवलोकन एवं परिष्करण करते हुए मैने महसूस किया है कि आप सबके अंदर प्रतिभा का अक्षत भंडारण है,आवश्यकता इस बात की है कि इस अतुल्य भंडार का वितरण अधिकाधिक करने की क्योंकि ये एक ऐसा भंडार है जो जितना सदुपयोग किया जायेगा उतना बढ़ेगा। जीवन में शिक्षा का उद्देश्य मात्र धनार्जन नहीं है अपितु जीवन को जीवन के दृष्टिकोण से देखकर सकारात्मकता के साथ जीना और आनंद प्राप्त करना।

कभी-कभी हम देखते हैं कि हमारे आस पास कुछ ऐसे लोग भी होते हैं जो जीवन की कठिन से कठिन परीक्षा तो उत्तीर्ण कर लेते हैं किंतु जब उससे आनंद लेने का समय आता है तो छोटी सी समस्या से तंग आकर जीवन की जंग में हार मान लेते हैं।

बच्चों! सच्ची शिक्षा वही है जो यहाँ आपका मार्गदर्शन कर सके।भारत सरकार नई शिक्षा नीति में इस समस्या के समाधान हेतु बहुत प्रयास कर रही है। जरुरत हमें भी है कि इस तरह की शिक्षा नीति की उपादेयता को समझें,शायद यही कारण है कि हमारी प्राचीन भारतीय शिक्षा पद्धति (वैदिक कालीन और तक्षशिला तथा नालंदा विश्वविद्यालय) व्यावसायिक महत्व के स्थान पर सांस्कारिकता को महत्व देती है।

अंत में, मैं आप सबको सुनहरे भविष्य की मंगलकामनाएं देता हूँ और सम्पादकीय समिति के सहयोग के लिए आभार प्रकट करता हूँ,इसके साथ ही रमीज़ सर,(तकनीकी एवं संपादकीय सहयोग),राजेन्द्र सर,अतुल सर(दृश्य कला अनुभाग)तथा सोलोमन सर का भी हृदय से आभार।अंत में अपने माननीय प्राचार्य जी का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं जिनका वरद हस्त सदैव हमारी समिति पर आशीर्वाद एवम् मार्गदर्शन के रूप में रहा।।

-इत्यलम्

मनीष मिश्र

पीजीटी हिन्दी

शीर्षस्थ विद्यार्थियों **की सूची**

कक्षा-10

1.दिया सिंह-88.4%

2.जसलीन कौर-84.6%

3.इंशा तबस्सुम-84.00%

कक्षा-12

1.निलोफर जान-88.4%

2.सुमीत कौर-87.2%

3.सिमरप्रीत कौर-86.8%

Five laws of Library ....

1. Books are for use.
2. Every reader his/her book.
3. Every book its reader.
4. Save the time of the reader.
5. The library is a growing organism.

Dr. S. R. Ranganathan
Father of Library Science in India

पुस्तकालयों की उपयोगिता

सूरज राम
(पुस्तकालयाध्यक्ष)

प्रत्येक राष्ट्र की सांस्कृतिक और ज्ञान-विज्ञान के विकास के लिए पुस्तकालयों की बहुत आवश्यकता है. पुस्तकालय शिक्षा व्यवस्था की रीड की हड्डी माना जाता है यहां पर प्रत्येक व्यक्ति अपने ज्ञान की भूख को शांत कर सकता है.

अगर हमें हमारे देश में शिक्षा का प्रचार प्रसार करना है तो भारत प्रत्येक गाँव, जिला, संसथान आदि स्थानों पर पुस्तकालयों की स्थापना की जानी बहुत आवश्यक है साथ ही उन्हें सुचारू रूप से चलाने की भी आवश्यकता है. अच्छे पुस्तकालयों से हमारे देश के भविष्य का निर्माण अधिक तेजी से होगा.

इसीलिए हमें पुस्तकालयों की अहम भूमिका समझते हुए इन्हें सामाजिक और सरकारी अनुदान से बढ़ावा देना होगा!

एक भारत श्रेष्ठ भारत

2021-22

From Teacher Pen On EBSB

जीतराम चौधरी

- राज्य को राज्य से मिलाना है.
- बने भारत श्रेष्ठ अपना ।
- बने भारत श्रेष्ठ अपना ।
- अपने भारत को श्रेष्ठ बनाना है, एक भारत श्रेष्ठ भारत मुहिम का है सपना, तन-मन-धन जीवन अर्पण कर भारत श्रेष्ठ बनाएंगे।
- सोने की चिडिया भारत
- को सोने का अंबर बनाएंगे।
- भारत बनेगा विश्व गुरु यही प्रण में दोहराता हूँ.
- मैं भारत देश का वासी हूँ,
- यही सोच के खुश हो जाता हूँ।
- मैं भारत देश का वासी हूँ।

PREAMBLE: A Part Of EBSB

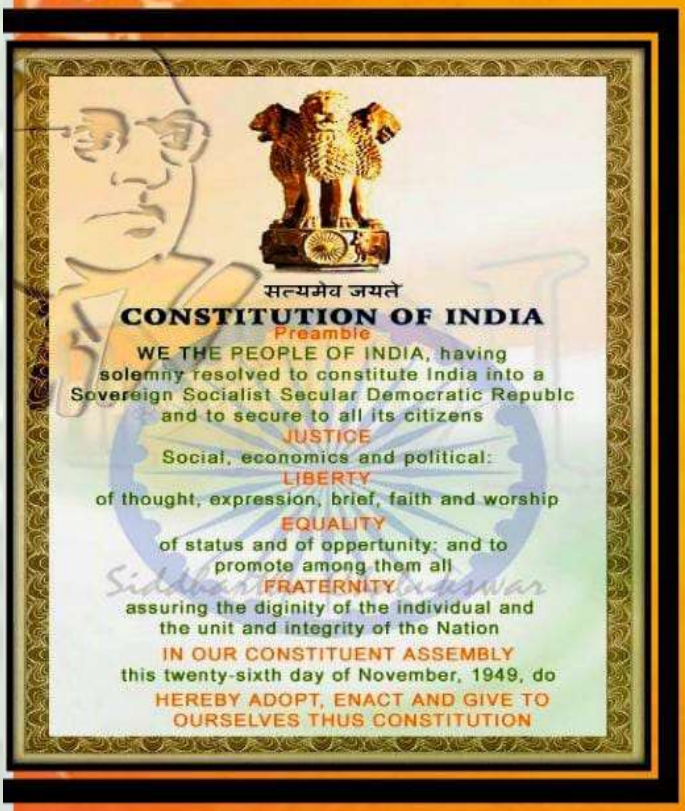

Activities On Virtual Platform

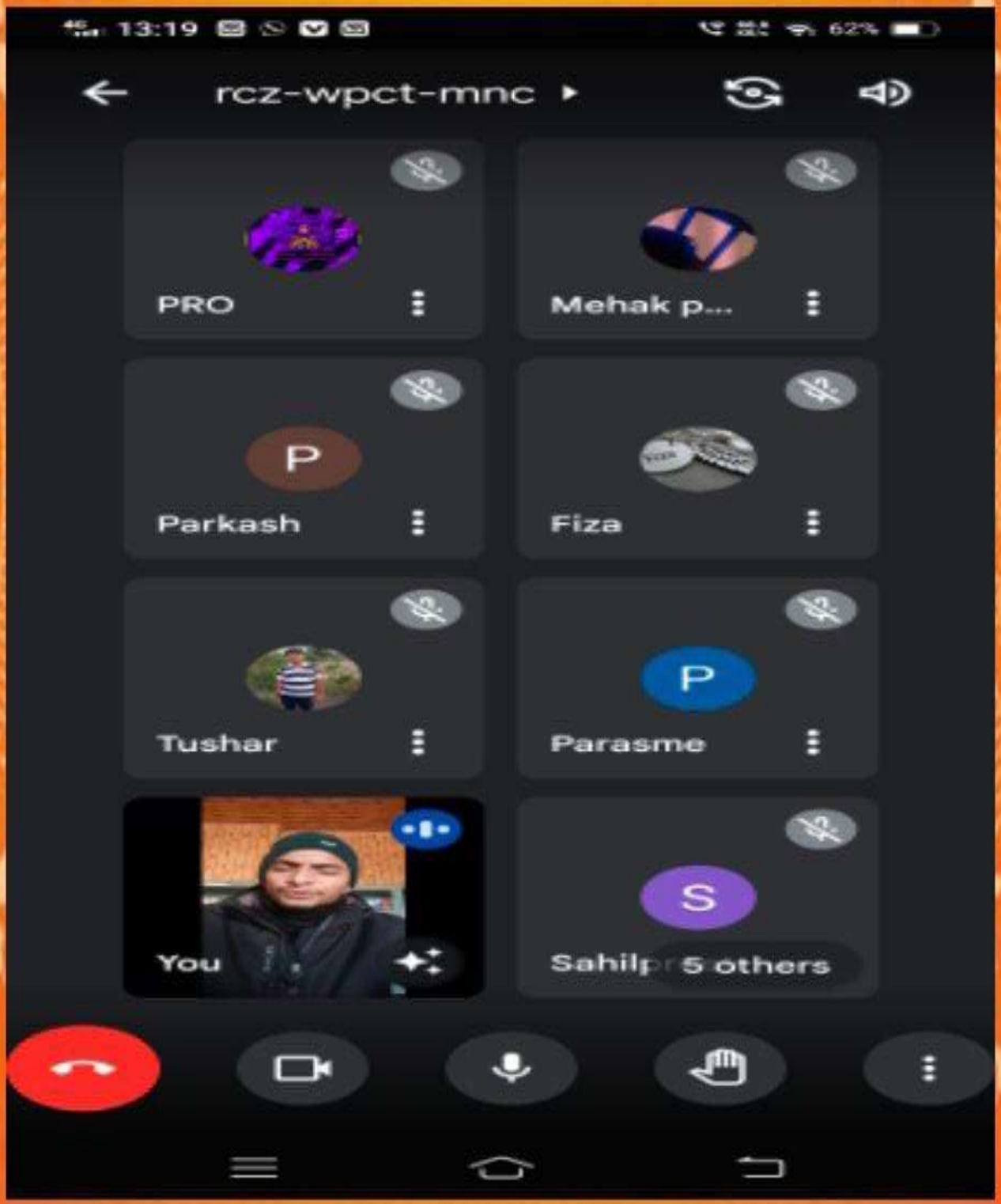

भाषा संगम: तमिल

How are you?
आप कैसे हैं ?

INDIA
MY INDIA
IS GREAT
मेरा भारत महान
என் நாடு இந்தியா
பெரியது

THANK YOU

MHRD
Government of India
Ministry of Human Resource Development
EK BHARAT SHRESHTHA BHARAT
CELEBRATING TOGETHERNESS

अभिक कक्षा 3

\

अरिशदीप सिंह कक्षा 3

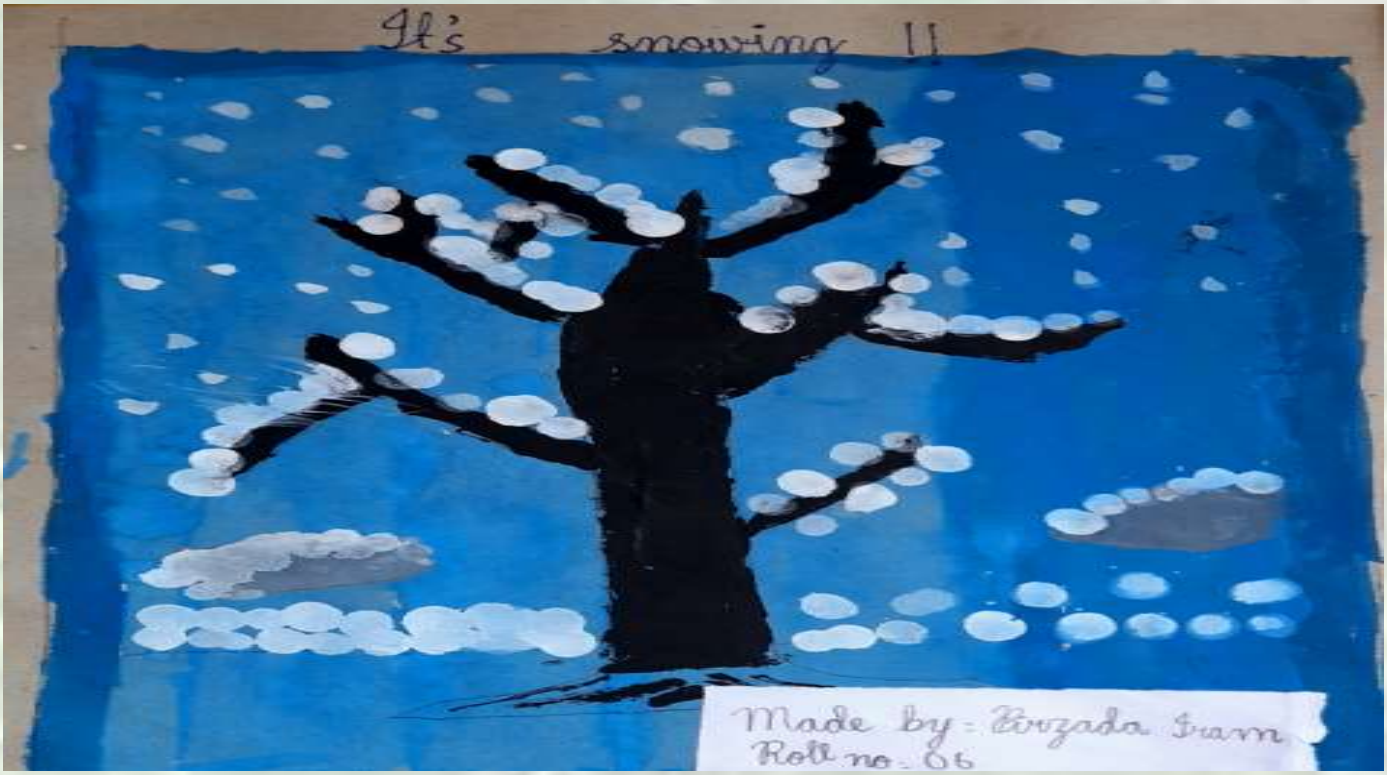

पीरज़ादा इरम

कक्षा 3

रतिक रैना

कक्षा 3

तम्मर मंज़ूर

कक्षा 3

स्कूल

स्कूल की पीली हल्की धूप में

निकल जाया करते थे हम

राहै हुआ करती थी स्कूल की

पर जैसे तैसे पार किया करते थे हम

पार करनी होती एक नदी जैसी

समंदर समझ पार किया करते थे हम

दिल में एक अलग खुशी होती थी

आखिर नदी पार जाया करते थे हम

स्कूल की चारदीवारी में जाकर

स्वतंत्रा हुआ करते थे हम

दोस्तों से गप्पे, टिफिन चुराना, टीचर की नकल करना,

यह सब जो किया करते थे हम

वह भी एक दौर था

स्कूल जाया करते थे हम

गर्व महसूस होता था कहने पर

आखिर केवी के बच्चे हुआ करते थे हम और रहेंगे।

नीलोफर शबीर

कक्षा 4

बाल कविता

पतंग हमारी चढ़ती जाए
तेज हवा से लड़ती जाए
रेशम की डोरी से बंधी
संग संग बलखाती जाए
मंझे उलझे आपस में जब
पतंग आपस में लड़ती जाए
कटी पतंगें बेसुध होकर
मतवाली सी उड़ती जाए
बच्चे भागे पीछे पीछे
मैदानों में दौड़े जाए
पतंग हमारे जीवन में
ख़ुशी और उत्साह ले आये
मन करता है मेरा भी यह
संग पतंग के उड़ते जाए

-अमित कुमार चौरसिया
स्नातकोत्तर शिक्षक (गणित)

जिंदगी
दो पल की जिंदगी है,
आज बचपन कल जवानी,
परसों बुढ़ापा, फिर खत्म कहानी है।
चलो हंस कर मिल, चलो खुलकर मिल,
फिर ना आने वाली यह रात सुहानी,
फिर ना आने वाली यह दिन सुहाना।
कल जो बीत गया सो बीत गया,
क्यों करते हो आने वाले कल की चिंता,
आज और अभी जियो, दूसरा पल हो ना हो।

अपर्णा रानी

कक्षा 3

कीलोत्पाटि वानरकथा

कसिंमश्चिन्नगराभ्याशे केनापि वणिक्पुत्रेण तरुषण्डमध्ये देवतायतनं कर्तुमारब्धम् । तत्र च ये कर्मकाराः स्थपत्यादयस्ते मध्याह्नवेलायामाहारार्थं नगरमध्ये गच्छन्ति ।

अथ कदाचिदानुषङ्गिकं वानरयुथमितश्चेतश्च परिभ्रमदागतम् । तत्रैकस्य
कस्यचिच्छिल्पिनोऽर्धस्फ़ाटितोऽर्जुनवृक्ष्यदारुमयः स्तम्भः खदिरकीलेन मध्यानिहितेन तिष्ठति । एतस्मिन्नन्तरे ते वानरास्तरुशिखरपरासादशृङ्गदारुपर्यन्तेषु यथेच्छया क्रिडितुमारब्धाः ।

एकश्व तेषां प्रत्यासन्नमृत्युश्चापल्यात्तस्मिन्न्रर्धस्फ़ोटितस्तम्भे उपविश्य पाणिभ्यां कीलकं संगृह्य यावदुत्पाटयितुमारेभे, तावत्तस्य स्तम्भमध्यगतवृषणस्य स्वस्थानाच्चलितकीलकेन यद्वृत्तं तत्प्रागेव निवेदितम् ।

अव्यापारेषु व्यापारं यो
नरः कर्तुमिच्छति ।
स एव निधनं यति
कीलोत्पाटीव वानरः ॥

नाम- सदफ अहद
कक्षा- 8

विद्या

एकस्मिन् नगरे द्वे मित्रे वसतः स्म। एकस्य नाम सोमेशः आसीत् अन्यस्य च धनेशः। सोमेशः विद्याम् इच्छति स्म चप्रभूतं धनम्। एकदा मित्रद्वय विदेश अगच्छत् । तत्र सोमेशः परिश्रमेण अध्ययनं कृत्वाय विद्यां प्राप्तवान्। धनेश अर्जितवान्। एवं अनेकानि वर्षाणि व्यतीतानि। तौ अचिन्तयताम्-"अधुना आवाम् गृहम् गच्छावः।" गृहम् प्रति आगमनसमये मार्गे चौराः आगच्छन्। ते धनेशस्य सर्वम् धनम् अहरन्। धनेशः दुःखी अभवत्। सः रिक्तहस्त गृहम् आगच्छत् । सोमेश विद्याधनयुक्तः आसीत्। विद्याधनेन युक्तः सः शीघ्रम् अतीव प्रसिद्धः अभवत्। तस्य प्रसिद्धिम् श्रुत्वा राजा मेश आहूय तस्य सम्मानम् अकरोत्। सः तस्मै मन्त्रिपदम् अपि अयच्छत्। सत्यम् एव कथ्यते - 'विद्या एव सर्वत्र पूज्यते।'

नाम - पार्थ
कक्षा - 8

1. " क्षणशः कणशश्चैव विद्यामर्थं च साधयेत् ।
क्षणे नष्टे कुतो विद्या कणे नष्टे कुतो धनम् ॥ "

अर्थ: एक एक क्षण गवाये बिना विद्या ग्रहण करनी चाहिए और एक एक कण बचा करके धन इकट्ठा करना चाहिए। क्षण गवाने वाले को विद्या कहाँ और कण को क्षुद्र समझने वाले को धन कहाँ ।

2. "काग चेष्ठा, बको ध्यानम, श्वान निद्रा तथैव च ।
स्वल्पाहारी, गृहत्यागी, विद्याधीनः पंच लक्ष्ण ॥ "

अर्थ: सफलता प्राप्त होने तक कौवे की तरह निरंतर प्रयास, सारस पक्षी की तरह एकाग्रता रखना, कुत्ते की तरह सोना, कम खाना, और ज्ञान प्राप्त करने के लिए घर त्याग करने के लिए तैयार रहना एक छात्र के पांच गुण हैं।

3. " न चोराहार्यम् न च राजहार्यम्, न भ्रातृभाज्यं न च भारकारि।
व्यये कृते वर्धत एव नित्यं, विद्याधनं सर्वधनप्रधानम् ॥ "

अर्थ: इसे न तो चोर चुरा सकते हैं और न ही राजा इसे छीन सकते हैं। इसे भाइयों में नहीं बांटा जा सकता है, इसका कोई वजन नहीं है। यदि नियमित रूप से खर्च किया जाता है, तो यह हमेशा बढ़ता रहता है ज्ञान का धन सभी का सबसे श्रेष्ठ धन है।

क्षितिज कुमार
कक्षा: 8
अनुक्रमांक - 22

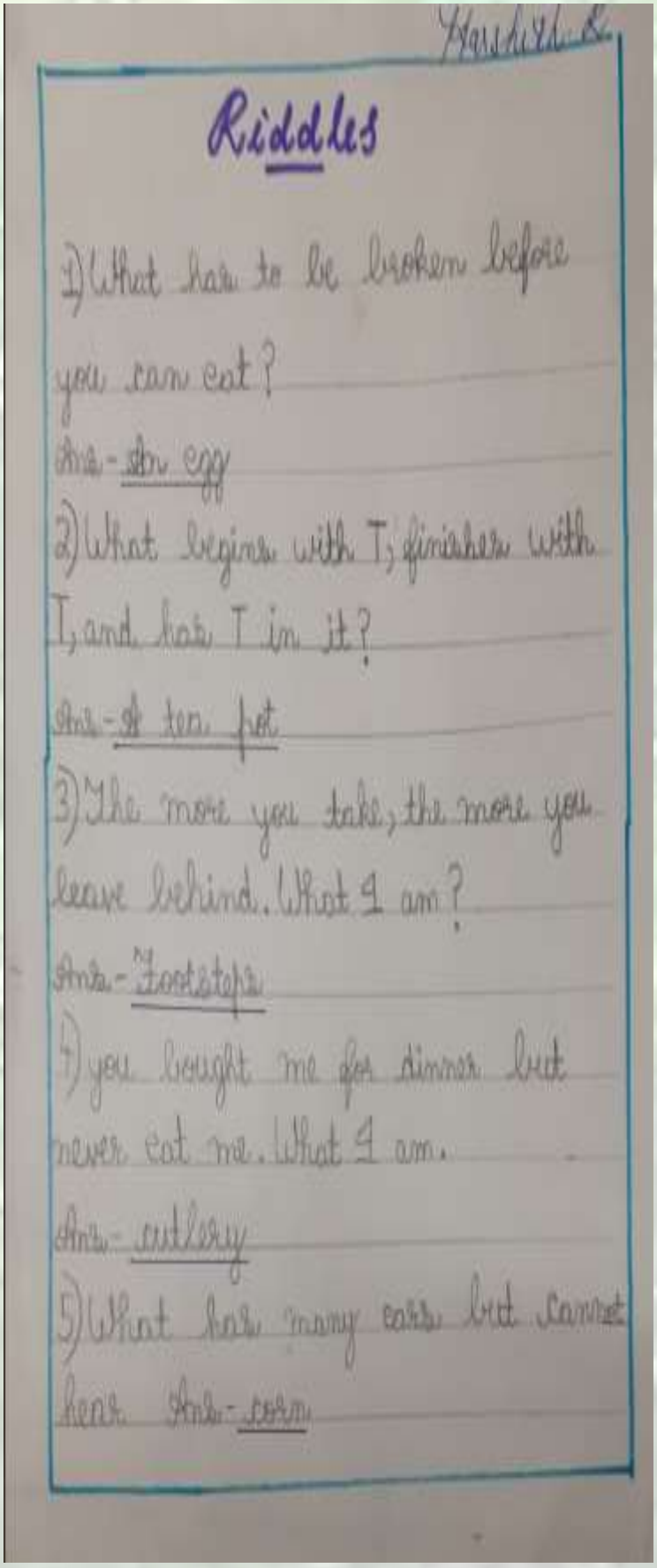

Riddles

1) What has to be broken before you can eat?

Ans- An egg

2) What begins with T, finishes with T, and has T in it?

Ans- A tea pot

3) The more you take, the more you leave behind. What I am?

Ans- Footsteps

4) you bought me for dinner but never eat me. What I am.

Ans- cutlery

5) What has many ears but cannot hear. Ans- corn

I wish to go to School

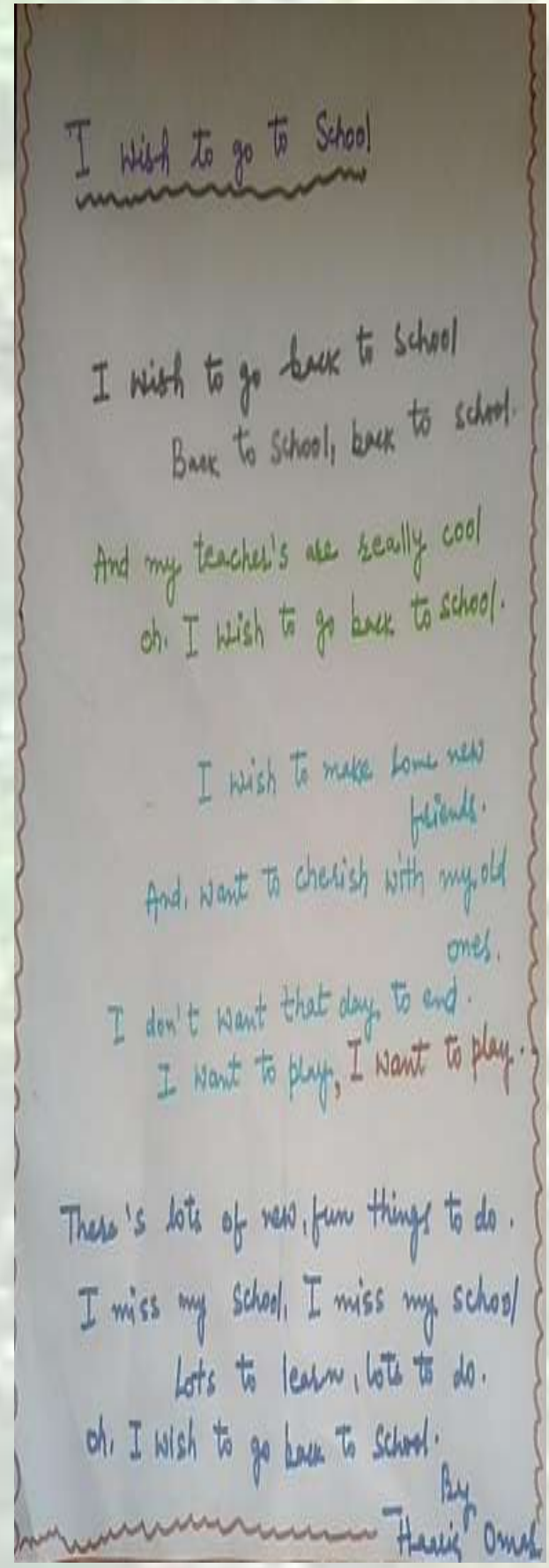

I wish to go back to school
Back to school, back to school.

And my teacher's are really cool
oh. I wish to go back to school.

I wish to make some new friends.
And want to cherish with my old ones.
I don't want that day to end.
I want to play, I want to play.

There's lots of new, fun things to do.
I miss my school, I miss my school
Lots to learn, lots to do.
oh. I wish to go back to School.

By
Haris Omar

हारिस ओमर

कक्षा 3

अपर्णा रानी

कक्षा 3

मोहम्मद अनस पीरज़ादा

कक्षा 3

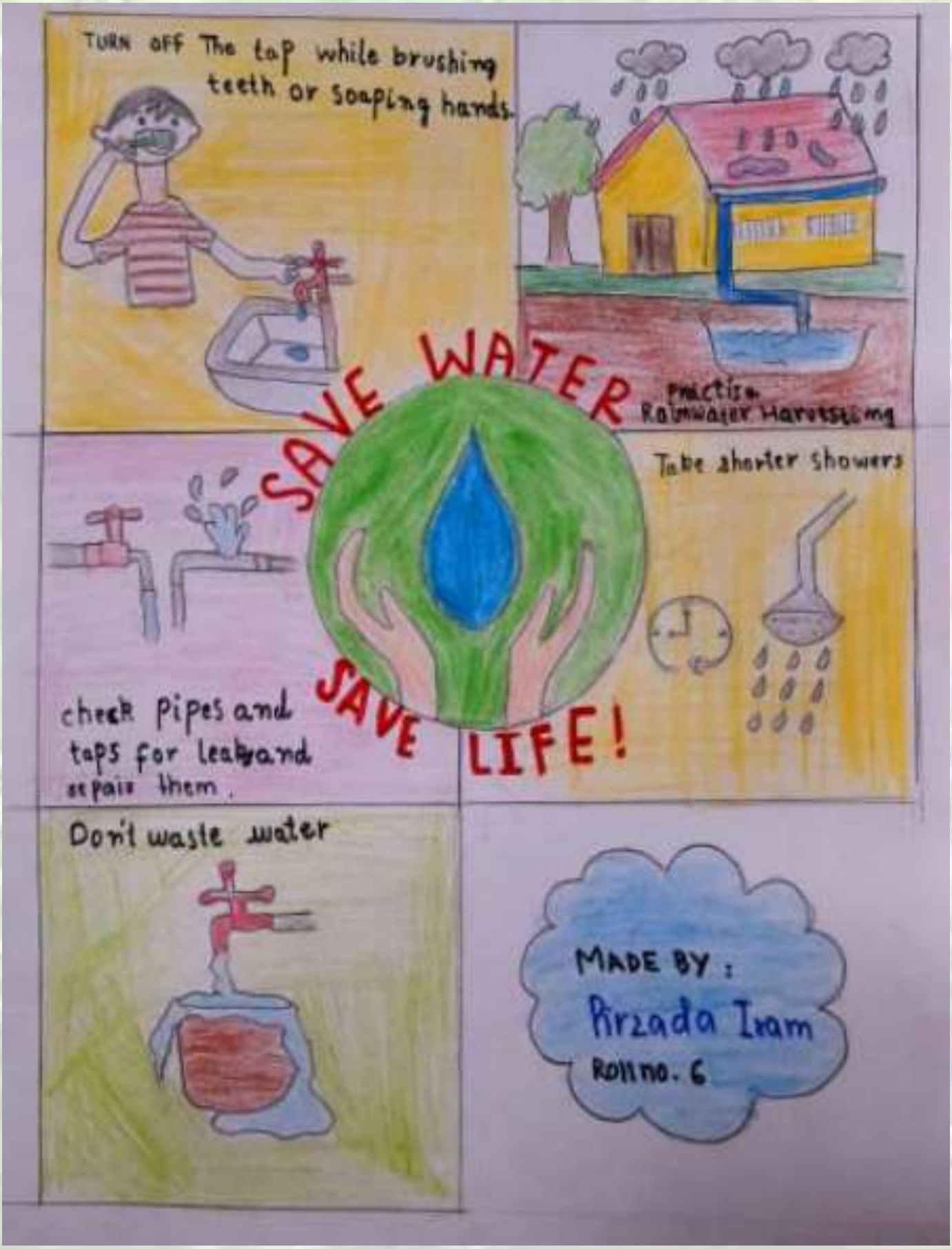
TURN OFF The tap while brushing teeth or soaping hands.
practise Rainwater Harvesting
SAVE WATER
SAVE LIFE!
Take shorter showers
check pipes and taps for leak and repair them.
Don't waste water
MADE BY :
Pirzada Iram
ROLL NO. 6

पीरज़ादा इरम

कक्षा 3

रतिक रैना

कक्षा 3

PATRIOTISM AND NATION-BUILDING

Tanzeela Jan

Class XII

Even if I die in the service of the nation I would be proud f it, every drop of my blood will contribute to the growth of this nation.

Dictionary defines the patriotism as love for one's country with an earnest desire to contribute to the welfare of countrymen. But when we see patriotism in the light of Indian context it takes a bigger form and gives a meaning in a larger prospective. In that case, it would not just mean love for our own country but for the entire humanity as a whole. When we look at the wider perspective patriotism is actually a spirit that seeks supreme sacrifice for our country and enables us to step forward for doing our bit for our country. For all Indians patriotism is an emotional attachment to the mother country.

The freedom we enjoy today is a result of sacrifices made my many great patriots. When we look back into the history of our country, many great sacrifices by Mangal Panday , Subash Chandra Bose, Bhagat Singh and the Indian National Movement lead by Mahatma Gandhi and so on, had institutionalized patriotism through different concepts. When we look into nation-building, it is a multi- dimensional concept and it involves active participations from various walks of life. In short we can say that patriotism and nation building are two sides of a coin. A strong and powerful nation is built on dedication and hard work of its citizens and some amount of smart planning form the part of the government.

Every nation should have icons who have selflessly served the nation. The framework of Dr. Ambedkar and the formulations of our first Prime Minister Pandit Jawahar Lal Nehru made our country a role model in the nation building process in the whole world. When we discuss nation building and patriotism we must not forget that there are many challenges as well that we have to face.

It is the responsibility of all educated and sensible people to cultivate and develop a true patriotic spirit which means the readiness to serve one's country in war and peace. One should not think that patriotism means fighting against other nations. The emphasis is upon doing good to our own country and to harm none. Being a patriot does not mean one has to be violent in his actions, one can protest silently, and that protest is more effective.

Thank you.

CRADLE

I WAS MEWLING LIKE A BABY IN THE CRADLE OF MY LADY,

AND THAT LADY IS MY MUMMY, AND NOBODY CAN REPLACE HER,

I HAVE NOT FOUND ANY PLACE ALL THESE NIGHTS AND THESE DAYS,

SHINING STARS, THEY ARE SO REALLY FAR,

BUT I DON'T KNOW WHO YOU ARE?

LEMME HEAL THOSE LITTLE SCARS,

I WAS MEWLING LIKE A BABY IN THE CRADLE OF MY LADY,

MOON WILL SHINE AND TAKE A BATH,

IN THE OCEANS VERY FAST,

AND I'M FEELING MYSELF SO LOST WITHOUT MY LADY,

LEMME HEAR THOSE WORDS FROM THE DARK,

WITH POURING RAIN AND SINGING LARK,

I ONLY NEED THAT CRADLE NO MATTER HOW FAR,

I WAS MEWLING LIKE A BABY IN THE CRADLE OF MY LADY,

PLEASE COME AND SING THOSE CRADLE SONGS. OH MY LADY!

LOVE YOU MY MOM.

- ABRAR UL HASSAN

Class XII

Karma

what is karma?

The actual definition of this word from the dictionary is **"an action, seen as bringing upon oneself inevitable results, good or bad, either in this life or in a reincarnation"**

If you really think about it; this definition has a very powerful meaning-

I can truly say that I believe in karma. People may describe karma in other words but it all comes down to one thing **"do others as you have done to you"**

Or in other words we can say

Nature's way of payback. Because what you put out into the universe will come back to you in an unexpected way. Give only what you don't mind getting back to you.

Pleasure and pain come from your own past actions,

So it is easy to define karma in one short sentence

"Act well, and things will go well; act wrongly and things will go wrong"

√ **What does karma say..?**

• Karma says~

If a man expects a woman to be an angel in his life, he must first create heaven for her, Angels don't live in hell

• Karma says~

If you focus on hurt, you will continue to suffer. If you focus on the lesson, you will continue to grow.

• Karma says~

Mouth can lie,

Eyes cannot

People may forget,

Karma will not.

• Karma says~

Cheating is a choice,

Not a mistake

Loyalty is a responsibility

Not a choice.

• Karma says~

The wrong one will find you in peace and leave you in pieces,

The write one will find you in pieces and lead you to peace

• Karma says~

Two things define you:

Your patience when you have nothing,

Your attitude when you have everything.

• Karma says~

Karma has no menu;

You get served what you deserve.

• karma says~

Sometimes you have to suffer in life,

Not because you were bad

But because you didn't realize

Where to stop being good.

• Karma says~

People make the mistake of choosing the wrong person first, and when the right person arrives they just stop trusting people.

√ There are 12 laws of karma

Here we go with some of them

1. **The great law or the law of cause and effect**

"For example, if you want love in your life, be loving to yourself.

2. **The law of creation**
   For example-
   "You are the co-creator of making what you want, based on your intentions,"
3. **The law of humility**
   For example-
   For example, if you're blaming your colleagues for your poor performance at work, Harrison says you must accept that you created this reality by not performing as well as you could have.
4. **The law of growth**
   For example-
   You don't just wake up and become the butterfly, growth is a process
5. **The law of responsibility**
   For example-
   It's a business's duty to pay taxes to the government and keep its account books clean as it helps the government to track the economic state of the company.
6. **The law of connection**
   For example-
   To lead yourself, use your head; to lead others, use your heart.
7. **The law of focus**
   For example-
   "If you focus on higher values like love and peace, then you're less likely to be distracted by heavy feelings of resentment, greed, or anger,"

8. **The law of giving and hospitality**
   For example-
   If you want to live in a peaceful world, you need to focus on cultivating peace for others.
9. **The law of here and now**
   For example-
   We cannot be present if we are looking backwards
10. **The law of change**
   For example-
   One tree makes a million matchsticks only one matchsticks is needed to burn down a million trees
11. **The law of patience and reward**
   For example-
   Be consistent in your goals, and they will come to fruition.
12. **The law of significance and inspiration**
   For example-
   Rewards are a result of the energy and efforts we put into it.

Ghufran
Class XI

SUGGESIONS FOR SUCCSESS

Tanzeela Jan

Class XII

*Be generous.

*Have a grateful heart.

*Talk slow, but think quickly.

*Take good care of those you love.

*Utilize every moment of the day.

*Never be ashamed of honest tears.

*Be forgiving of yourself and others.

*Be loyal, be honest, be self starter.

*Commit yourself to constant improvement.

*Best way to get noticed is to do good works.

*Treat everyone you meet like you want to be treated.

*Give people more than they expect and do it cheerfully.

*Become the most positive and enthusiastic person.

My institution

My institution namely kendriya vidyalaya baramulla is situated in the 19 inf div C/0 56 Apo Bla. It's the first institute in Baramulla dazzling like the diamond in the centre and splashes the ray of knowledge in every nook and corner of Baramulla.This is among the best institutions currently on the map of district of Baramulla by its overall performance .

The vidyalaya comprises of 5 buildings .This vidyalaya has a good library ,computer room and a laboratory and so on.There is a big and shady walnut tree which adds immense beauty to it. Just in front of the principal office is a beautiful lawn which adds beauty to the vidyalaya premises.

This vidyalaya is currently headed by Mr. Balender Kumar, the principal of the vidyalaya. He tries his best to make the students of this vidyalaya successful in their lives.

Mr.Gurwinder Singh :Besides the physics teacher he is also vice principal of the school. He is well qualified and has a great confidence in his subject. He always works for the welfare of the students and school.His potentialities provide him opportunity to rank on top.

Mr Praveen Prashad: He is the king of mathematics for us. He always talks in soft and loving voice. He is very innocent and remains smiling in every case .He is very active and well qualified .

Mr .Rajendra Kumar : He is a well qualified pious man. He is the only teacher who questions us about the topic before which he is going to deliver and makes the topic interesting .

All other teachers in our school are full of qualities .They are also scintillating like the stars but the space does not allow me to discuss them .

Name :-Harpreet Singh

Class :-XII Roll no:_03

Online classes: A Boon or A Bane

With educational institutes closed due to the COVID-19 pandemic, the government has been encouraging online education to achieve academic continuity. Most high-end private and public institutions have made the switch smoothly using online platforms such as Zoom, Google classrooms, Microsoft teams, etc., while many still find it a herculean task. The challenges of online education are multifaceted. It is time that we Indians, as a society, understand the realms of online education – in India, for India.

A Boon

Online education allows for learning something beyond the norm. A learner has access to unlimited topics and global experts in all subjects – something otherwise not affordable or imaginable for many. Online programs allow people of a wide age group to learn at their own pace, without inhibitions, and without compromising on their other responsibilities.

With the emergence and spread of COVID-19 in India, online education has trickled down to the most basic level — schools and colleges! When asked about their experience with online teaching, a student from a college in Bengaluru said, “The online option is a need in this pandemic situation. It has brought education to us without us going anywhere, and it is more flexible”. Probably, students are finding it a welcome change from strict schedules and long-distance commutes to attend classes. For some others, who find learning in large classes intimidating, this may be a less stressful option. Many teachers are making the best of this situation by exploring new methods of teaching and assessment.

This is encouraging. But the moment online education moves from an optional to the only form of learning, and that too long term, the bad and the ugly slowly become evident. India is beginning to get a taste of this now.

A Bane

Using the internet for entertainment is common, but for online lessons is a big challenge. Teachers may not be well-versed with creating digital content, and conveying it effectively online. A sudden expectation from them to upgrade, and from students to adapt, is unfair.

Body language and eye contact, which are important cues for the teacher, are difficult to perceive in an online class. “I do not receive continual feedback in the form of students’

reactions during online sessions, which reduces the effectiveness of teaching", says a college teacher in suburban Mumbai. How many students have paid attention in a class? Of those, how many understood the lesson? Is the teaching pace alright? Are some students getting left behind? These questions arise even in traditional classrooms, but they are harder to address in online classes. A parent of an 8-year-old attending a private school in Gurgaon says, "There shouldn't be online classes for such young kids. Their concentration span is small and they do not pay attention after a while." The 8-year-old added, "I hate them (online classes)!"

Even college students seem to value the in-class physical learning experience much more than a virtual one. Many acknowledge that phones can be very distracting. In addition, science and technology programs often include hands-on laboratory sessions, dissertation projects and field trips to complement theoretical studies. This aspect of learning is severely limited in online education.

Finally, education is not just about subject knowledge but also about developing social skills and sportsmanship among the students, which is built over years. Relying solely on online education may hinder the holistic development of children, and many may underperform later in their professional and personal lives.

Vishal Kumar Mishra

Class XII

Offline v/s Online

Do you remember the time?
When school bell was a wind chime.

When the school was offline,
And you reached there by nine.

When you met friends to cheer,
And also had them always to hear.

When you daily packed the bag,
And wore uniform with school tag.

When the lunch was shared,
And we had everyone who cared.

When the morning alarm was fixed,
And time-table had subjects mixed.

When the uniform had no mask,
And sports and arts were also task.

But everything has changed now,
Let's recall it how?

Now the classes are online,
And learning mode is recline.

Now you stay at home with family,
And also sometimes might feel lonely.

Now there are no bags to pack,
And you take the books from rack.

Now the camera needs to be on,
And class activities are done from home.

Now mask is necessary to wear,
And everyone has corona fear.

Let's take pledge to stay safe and care,
And wait for right time in every sphere.

Hoping for being back to school,
To have fun soon being calm and cool.

Himanshi Sachdeva

MATHEMATICAL WEDDING INVITATION

SMT. AND SHRI PERPENDICULAR REQUEST THE PLEASURE OF YOUR COMPANY ON THE OCCASION OF THE NAUGHTY KNOT OF THEIR SON

CYLINDER

WITH

PARALLELOGRAM

Grant but smart daughter of Shri Rectangle

AT THEIR RESIDENCE

7(7)+(4)4=65Algebra Bazar, Mathematics cantt

AS PER Programme

Tuesday 5×5= 25 Sep. 2022

Ladies sangeet=2×2+2×2=8pm

Wednesday 5(2)+16 =26 sept 2022

Lunch 4×3=12 Noon

Sehra Bandan =2+2+2+1=7 pm

Thursday 3×3×3= 27 sep 2022

Departure of Barat =3+4=7pm

With Best Compliments From

Geometry and Algebra

By : Jasleen kour

Class : XI

My School

The name of my school is Kendriya Vidyalaya Baramulla. It is one of the best schools in my city. It has big and beautiful building that looks shiny from far away. We study in the school with a great and friendly environment. The teachers of my school motivate us for doing best in our life .It provides us all the basic facilities like big playground, library, computer lab and science lab. We study in guidance of best teachers. Our school celebrates all national events like Independence Day, Republic Day, teachers day etc. The best school are those that make students best. And I consider my school as the best school .

-Jaiveer Singh

Class VIII

My Poem

Open a Book

Open a book

And you will find,

People and places of every kind;

Open a book

And you can be,

Anything you want to be;

Open a book

And you can share,

Wondrous words you find in there

Open a book

And I will too,

You read to me,

And I'll read to you!

-DAKSH BALIYAN

CLASS 5

शिरीन गुल

कक्षा-5

श्रेष्ठ परिधान प्रतियोगिता

तम्मर मंज़ूर कक्षा-3

सुमीरा खान कक्षा-3

मोहम्मद अनास पीरजादा कक्षा-3

हर्षित कक्षा-3

गुरमेहर कौर कक्षा-3

गगनदीप सिंह कक्षा-3

फरहा अबिद कक्षा-3

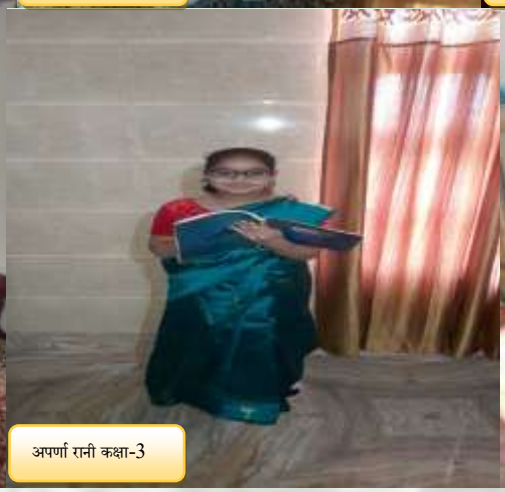
अपर्णा रानी कक्षा-3

ज़ियाना तन्वीर कक्षा-3

स्थापना दिवस केन्द्रीय विद्यालय संगठन

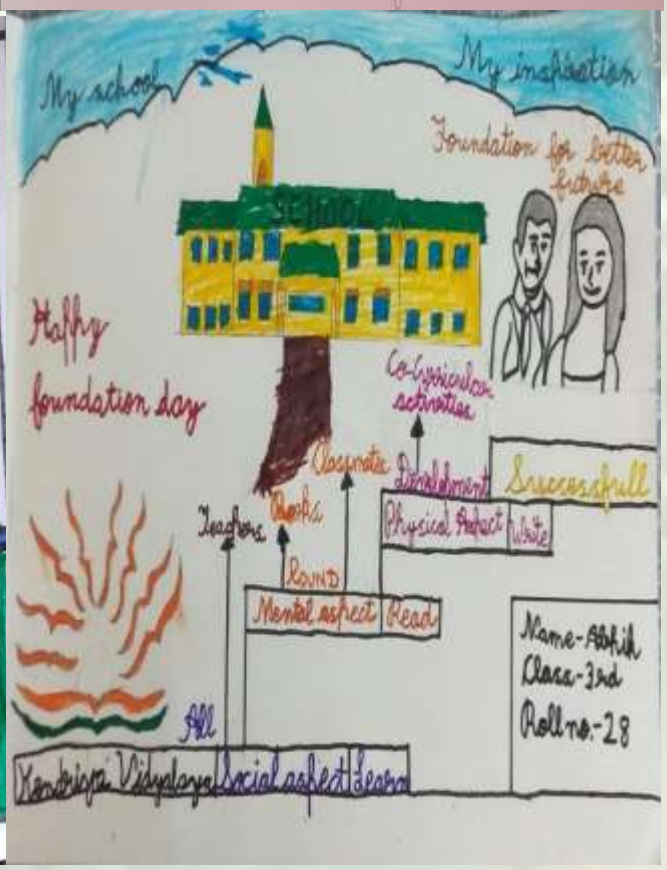

वीरगाथा कार्यक्रम

PROJECT:-VEER GATHA PAINTING
I SALUTE MY FLAG
I AM PROUD TO BE INDIAN

ARUN KHETARPAL

NAME: TARANPREET

VIKRAM BATRA
If I had been Vikram Batra, I have

ROLL NO :- 22

योग दिवस कार्यक्रम

स्वतंत्रता दिवस

गाँधी जयंती

गणतन्त्र दिवस समारोह

कला उत्सव

<u>गंगा उत्सव कार्यक्रम</u>

राष्ट्रीय डिस्लेक्सिया दिवस

कार्यशाला(30-11-2021)

अ
आ

Sadaf Ahad (7th)

WATER
SAVE

समाप्त